ग्रारोग्य शास्त्र त्र्यर्शत सर्वेदा स्वरथ्य रहने के अचुक और परीक्षित साधन **©10 धीर्यहर्म** लेखकः यज्ञ चिकित्सा के ऋाविष्कारक, द्वाय चिकित्सा में विशेष ख्याति प्राप्त, सफल श्रौर प्रसिद्ध विशेषज्ञ 'सुखमय जीवन', 'देव यज्ञ', 'यज्ञ चिकित्सा' इत्यादि इत्यादि पुरतकों के लेखक-श्री डा० फुन्दनलाल, एम. डी., डी. एस., एल. एम. त्रार. ए. एस.. (लन्डन) भूतपूर्व मेडिकल जाफ़ोसर टी० बी० सेनेटोरीयम (जवलपुर) प्रेमनगर, भूड, बरेली। प्रकाशकः स्वास्थ्य भन्डार प्रेमनगर, भूड़, बरेली। सर्वाधिकार सुरद्तित सं० २००७ वि० प्रथमवार १०००] मूल्य を発をを充む